मुख्य परीक्षा

प्रश्न- ऋग्वेदकाल और उत्तर वैदिक काल के धार्मिक जीवन में हुए परिवर्तनों पर प्रकाश डालें।

(150 शब्द)

Highlight the changes in the religious life of Rigvedic period and the post Vedic period. (150 Words)

मॉडल उत्तर

उत्तर- भूमिका-

- वैदिक कालीन धार्मिक जीवन में कबायली संगठन के चिह्न दृष्टिगोचर होते हैं तथा ऋग्वेद कालीन धार्मिक जीवन तथा उत्तर वैदिक काल के धार्मिक जीवन में अंतर दिखता है, जो तत्कालीन भौतिक पृष्ठभूमि से प्रभावित हो रहें थे।

मुख्य विषय वस्तु :

- ऋग्वैदिक काल और उत्तर वैदिक काल में लोगों की राजनीतिक, आर्थिक जीवन में परिवर्तनों ने धार्मिक जीवन को प्रभावित किया। ऋवैदिक काल में पुरूष देवता प्रभावी थे। इन्द्र, अग्नि वरूण आदि थे। उत्तर वैदिक काल में भी पुरूष भाव की प्रधानता रही और प्रजापति, विष्णु, रूद्र प्रमुख देवता हुए।
- ऋत, जिसे सैद्धांतिक मान्यता थी और यह सृष्टि की नियमितता, भौतिक एवं नैतिक व्यवस्था का घोतक था, का लोप उत्तर वैदिक काल में हुआ।
- सामान्यतः हर कबीले या गोत्र का अपना अलग देवता होता था और ऋग्वैदिक काल और वैदिक काल दोनों में उपासना का उद्देश्य बना रहा। भौतिक सुखों, संतति धन-धान्य की प्राप्ति ही उद्देश्य रही, किन्तु उत्तर वैदिक काल में यज्ञ-अनुष्ठान कर्म-कांड की प्रधानता हो गई। मंत्रोच्चारण, पशुबलि प्रधान होता गया।
- उत्तर वैदिक काल में एक दूसरी धारा जो कर्मकांडों से पृथक थी, जो उपनिषदिय अद्वैत सिद्धांत और कर्मकाडों पर गहरा आघात था। ज्ञान-मार्ग से विद्वान जीवन-चक्र से मुक्ति दिलाकर मोक्ष दिलाने की बात करने लगे थे।

अंत में संक्षिप्त निष्कर्ष दें।